रक्षा विश्वविद्यालय: पाँच सवालों का एक उत्तर, 176 करोड़ के प्रारंभिक काम और जो छपा नहीं

रक्षा मंत्रालय | स्रोत: लोक सभा प्रश्न, छपी तिथि 31 जुलाई 2026 | UPSC / PCS मुख्य परीक्षा: GS-III (रक्षा, सुरक्षा), GS-II (शासन, संसदीय उत्तर और जवाबदेही), GS-II (शिक्षा संस्थान) | प्रारंभिक: Institution of Excellence, Tri-Service institutions, DPR

पृष्ठभूमि और संदर्भ

जब कोई सांसद किसी परियोजना की निधि, DPR, समय-सीमा, देरी, असर और रफ़्तार बढ़ाने के कदम एक साथ पूछता है, तो मंत्रालय अक्सर एक साझा उत्तर देता है। ऐसे उत्तर में हर भाग का जवाब ढूँढना पाठक का काम बन जाता है। इस लेख में रक्षा विश्वविद्यालय पर आए ऐसे ही एक उत्तर को पढ़ा गया है: उसने क्या छापा, और पाँचों भागों में से कौन से भाग पर कुछ नहीं छापा।

खबर क्या?

लोक सभा के अतारांकित प्रश्न 2102 पर छपी तिथि 31 जुलाई 2026 (“TO BE ANSWERED ON”) है। श्री दीपेंदर सिंह हुड्डा ने “Indian National Defence University (INDU), Gurugram” के लिए आवंटित, उपयोग हुई और अनुपयोगी निधि वर्ष-वार, DPR की मंज़ूरी, मूल और संशोधित समय-सीमा, देरी के कारण, देरी के प्रभाव और काम तेज़ करने के कदम पूछे थे। राज्य मंत्री श्री संजय सेठ के साझा उत्तर में “Indian Defence University” की अवधारणा, उसका प्रस्ताव तैयार करने के लिए दो-सदस्यीय समिति और ₹ 176 करोड़ की लागत से पूरे हुए प्रारंभिक काम का ज़िक्र है। पाँचों भागों के माँगे गए ब्योरे उत्तर में छपे नहीं हैं।

उत्तर को पढ़ने की छह सावधानियाँ

(1) प्रश्न में “INDU” और “Gurugram” है, उत्तर में “Indian Defence University” है और “INDU” या “Gurugram” नहीं है; हमने दोनों नाम जैसे छपे, वैसे रखे हैं। (2) ₹ 176 करोड़ उत्तर में “preliminary work … completed” की लागत है (भूमि अधिग्रहण, चारदीवारी, परिधि सड़क, गार्ड रूम और वॉच टावर); वह आवंटन, वर्ष-वार उपयोग या पूरी परियोजना की लागत नहीं है। (3) दो-सदस्यीय समिति “proposal” तैयार करने के लिए गठित बताई गई है; यह मंज़ूरी या DPR का स्वीकृत होना नहीं है। (4) प्रश्न में देरी मानी गई है (“whether there has been a delay”); उत्तर देरी न मानता है, न नकारता है। (5) DPR की स्थिति, समय-सीमा, देरी के कारण, प्रभाव का आकलन और तेज़ करने के कदम उत्तर में नहीं छपे; यह “मौजूद नहीं” या “मना” नहीं है। (6) तारीख़ “TO BE ANSWERED ON 31ST JULY, 2026” छपी है, हमने इसे वैसे ही रखा है; सब कुछ इस एक पृष्ठ के उत्तर की स्थिति है।

मुख्य तथ्य और आँकड़े

प्रश्न और उत्तर	**लोक सभा अतारांकित प्रश्न 2102 (“Funds for Indian National Defence University”), रक्षा मंत्रालय, रक्षा विभाग; छपी तिथि “TO BE ANSWERED ON 31ST JULY, 2026”; उत्तर राज्य मंत्री श्री संजय सेठ का है। प्रश्नकर्ता: श्री दीपेंदर सिंह हुड्डा। पाँचों भागों का एक साझा उत्तर, “(a) to (e)”, दिया गया है।**
नाम का फ़र्क	प्रश्न में “Indian National Defence University (INDU), Gurugram” लिखा है; उत्तर में “Indian Defence University” लिखा है। दोनों नाम वैसे ही रखे गए हैं, जहाँ जो छपा है; उत्तर इस फ़र्क पर कुछ नहीं कहता, और उसमें “INDU” या “Gurugram” शब्द नहीं हैं।

प्रश्न के पाँच भाग (प्रश्न की भाषा)	**(a) क्या निधि आवंटित हुई और परियोजना की शुरुआत से "allocated, utilised and remaining unutilised" की राशि "year-wise"; (b) क्या "Detailed Project Report (DPR)" मंज़ूर हुई, परियोजना की वर्तमान स्थिति और पूरा होने की "original and revised timelines"; (c) क्या "delay" हुआ और उसके कारण; (d) क्या देरी का रक्षा शिक्षा, रणनीतिक शोध और प्रशिक्षण पर प्रभाव आँका गया; (e) क्या काम तेज़ करने के कदम उठे और "revised timeline"। (c) और (d) में देरी की बात प्रश्न में पहले से मानी गई है; उत्तर उसे न मानता है, न नकारता है।**
अवधारणा	उत्तर: "The concept of Indian Defence University is to have an Institution of Excellence to study modern warfare, our neighbourhood environment, Space, Seas, Cyber and other areas of emerging challenges."

समिति	**उत्तर: "In this regard, a two member Committee have been constituted to evolve the proposal in consultation with stakeholders." उत्तर समिति के सदस्यों के नाम, गठन की तारीख़ या रिपोर्ट की समय-सीमा नहीं बताता।**
प्रारंभिक काम	उत्तर: "The preliminary work relating to acquisition of land, construction of boundary wall, perimeter road, guard rooms and watch towers has been completed at a cost of Rs. 176 crore." यह एक ही राशि पूरे वर्णित प्रारंभिक काम की लागत के रूप में छपी है; अलग-अलग मद की लागत नहीं छपी।

मौजूदा व्यवस्था	**उत्तर: "The needs of Professional Military Education, Strategic Research and Capacity Building continue to be met through the existing network of Services Training Establishments and Tri-Service institutions."**
जो उत्तर में छपा नहीं है	वर्ष-वार आवंटन, उपयोग और अनुपयोगी राशि; ₹ 176 करोड़ किन वर्षों में खर्च हुए; DPR की स्थिति; मूल या संशोधित समय-सीमा; देरी हुई या नहीं और उसके कारण; देरी के प्रभाव का आकलन; काम तेज़ करने के कदम; समिति की संरचना और समय-सीमा; विश्वविद्यालय के स्थान की पुष्टि। "छपा नहीं" का अर्थ "मौजूद नहीं" या "मना किया" नहीं है।

हमारी गणना

इस लेख में हमने कोई जोड़-घटाव, प्रतिशत या अनुपात नहीं निकाला। कारण: उत्तर में केवल एक राशि, ₹ 176 करोड़, है, जिसके सामने कोई आवंटन, कुल लागत या वर्ष-वार आँकड़ा नहीं छपा, इसलिए किसी हिस्से का आधार नहीं है। हमने कोई समय-सीमा या तारीख़ भी अपनी ओर से नहीं जोड़ी।

विश्लेषण: पाँच सवाल, एक अनुच्छेद

पहली बात, उत्तर की बनावट। उत्तर "(a) to (e)" के लिए एक ही अनुच्छेद है, जिसमें चार कथन हैं: अवधारणा, दो-सदस्यीय समिति, ₹ 176 करोड़ के प्रारंभिक काम और मौजूदा संस्थानों से ज़रूरतों का पूरा होना। प्रश्न का कोई भाग उत्तर में अलग से नहीं उठाया गया।

दूसरी बात, निधि का प्रश्न। (a) में आवंटित, उपयोग हुई और अनुपयोगी राशि वर्ष-वार माँगी गई थी। उत्तर में एक ही राशि है, ₹ 176 करोड़, जो "preliminary work" की लागत के रूप में है। उत्तर यह नहीं कहता कि यह आवंटन है, और यह भी नहीं कि पूरी परियोजना की लागत इतनी है। वर्ष-वार तालिका उत्तर में नहीं छपी; इसे "शून्य" नहीं पढ़ा जा सकता।

तीसरी बात, प्रारंभिक काम। जो काम “completed” बताया गया है, वह है भूमि का अधिग्रहण, चारदीवारी, परिधि सड़क, गार्ड रूम और वॉच टावर का निर्माण। यह विश्वविद्यालय की शैक्षणिक या प्रशासनिक इमारतों का काम नहीं बताया गया; उत्तर में उनका कोई उल्लेख नहीं है। इसलिए “विश्वविद्यालय बन गया” या “आंशिक रूप से चालू है” जैसा कोई निष्कर्ष उत्तर से नहीं निकलता।

चौथी बात, समिति और DPR। उत्तर के अनुसार दो-सदस्यीय समिति हितधारकों से परामर्श करके “proposal” तैयार करने के लिए गठित हुई है। (b) में DPR की मंज़ूरी और स्थिति पूछी गई थी; उत्तर DPR की स्थिति पर कुछ नहीं छापता। हम केवल इतना कह सकते हैं कि उत्तर में DPR की स्थिति नहीं है; इसका अर्थ यह नहीं कि DPR नहीं है, न यह कि मंज़ूर नहीं हुई।

पाँचवीं बात, देरी, असर और तेज़ी के प्रश्न। (c) में पूछा गया था कि क्या देरी हुई, (d) में देरी का असर और (e) में रफ़्तार बढ़ाने के कदम। प्रश्न की भाषा में देरी पहले से मानी गई है, पर उत्तर न देरी मानता है, न नकारता है, और कोई कारण, आकलन या कदम नहीं बताता। इन भागों को “अनुत्तरित” लिखा जा सकता है, “अस्वीकार” या “स्वीकार” नहीं।

छठी बात, मौजूदा व्यवस्था का कथन। उत्तर कहता है कि Professional Military Education, Strategic Research और Capacity Building की ज़रूरतें “existing network of Services Training Establishments and Tri-Service institutions” से पूरी हो रही हैं (“continue to be met”)। यह उत्तर का अपना कथन है; इसके पक्ष में कोई आँकड़ा या मूल्यांकन उत्तर में नहीं है, और यह (d) के प्रभाव-आकलन का उत्तर नहीं है।

रक्षा विश्वविद्यालय: उत्तर 2102 का मिलान

भाग क: प्रश्न के पाँच भाग और उत्तर में क्या छपा

प्रश्न का भाग	उत्तर में छपा
(a) वर्ष-वार निधि: आवंटित, उपयोग, अनुपयोगी	वर्ष-वार तालिका नहीं छपी; एक राशि ₹ 176 करोड़ प्रारंभिक काम की लागत है
(b) DPR, स्थिति, मूल/संशोधित समय-सीमा	DPR की स्थिति और समय-सीमा नहीं छपी
(c) देरी और कारण	देरी पर कुछ नहीं छपा (न माना, न नकारा)
(d) देरी का असर	असर का आकलन नहीं छपा
(e) तेज़ करने के कदम, संशोधित समय-सीमा	कदम और समय-सीमा नहीं छपी

"छपा नहीं" का अर्थ "मौजूद नहीं" या "मना किया" नहीं है।

भाग ख: उत्तर के चार कथन (एक अनुच्छेद में)

अवधारणा	समिति	प्रारंभिक काम	मौजूदा व्यवस्था
Institution of Excellence आधुनिक युद्ध, Space, Seas, Cyber	दो-सदस्यीय proposal तैयार करने के लिए	पूरा हुआ: ₹ 176 करोड़ "has been completed"	Services Training Establishments Tri-Service institutions

चार अलग तरह के कथन हैं; इनमें केवल एक में राशि है।

भाग ग: ₹ 176 करोड़ वर्णित पूरे प्रारंभिक काम के लिए एक राशि है

भूमि अधिग्रहण	चारदीवारी का निर्माण	परिधि सड़क	गार्ड रूम	वॉच टावर

कुल मिलाकर "at a cost of Rs. 176 crore"

उत्तर में अलग-अलग मद की लागत नहीं छपी, इसलिए मदों पर कोई बँटवारा नहीं दिखाया गया।
यह आवंटन, वर्ष-वार उपयोग या पूरी परियोजना की लागत नहीं है।

मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

आगे की राह: अनुत्तरित प्रश्न

- वर्ष-वार आवंटन, उपयोग और अनुपयोगी राशि क्या है, और ₹ 176 करोड़ किन वर्षों में खर्च हुए।

- DPR की स्थिति क्या है।
- पूरा होने की मूल और संशोधित समय-सीमा क्या है।
- दो-सदस्यीय समिति में कौन हैं, कब गठित हुई और प्रस्ताव कब तक देगी।
- देरी हुई या नहीं, और हुई तो उसके कारण और रक्षा शिक्षा, शोध और प्रशिक्षण पर असर का आकलन क्या है।
- काम तेज़ करने के कदम क्या हैं।

परीक्षा-उपयोगी बिंदु

प्रारंभिक: उत्तर के अनुसार विश्वविद्यालय की अवधारणा "Institution of Excellence" की है (आधुनिक युद्ध, पड़ोस का परिवेश, अंतरिक्ष, समुद्र, साइबर और उभरती चुनौतियाँ); Detailed Project Report (DPR); Services Training Establishments और Tri-Service institutions; Professional Military Education। **मुख्य परीक्षा:** रक्षा शिक्षा और रणनीतिक शोध की संस्थागत व्यवस्था; परियोजना के चरण (अवधारणा, प्रस्ताव, DPR, प्रारंभिक काम) और उनमें अंतर; साझा संसदीय उत्तर में हर भाग के उत्तर की पहचान; "प्रारंभिक काम की लागत" और "आवंटन" या "कुल लागत" का फ़र्क। उत्तर में जो नहीं है, उसे उत्तर का दावा न बनाएँ।

UPSC CSE Mains अभ्यास प्रश्न

किसी बड़ी संस्थागत परियोजना पर संसदीय उत्तर में अवधारणा, समिति और प्रारंभिक काम की लागत का ज़िक्र हो, पर DPR, समय-सीमा और वर्ष-वार निधि का नहीं। रक्षा विश्वविद्यालय पर एक ऐसे उत्तर के आधार पर बताइए कि इन कथनों से क्या निकाला जा सकता है और क्या नहीं, तथा परियोजना की प्रगति आँकने के लिए किन अतिरिक्त सूचनाओं की ज़रूरत होगी। (10 अंक, शब्द-सीमा 150)

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: 31 जुलाई 2026 की छपी तिथि का साझा उत्तर; पाँच भाग, एक अनुच्छेद

मुख्य भाग में: उत्तर में क्या है (अवधारणा; दो-सदस्यीय समिति proposal के लिए; भूमि, चारदीवारी, परिधि सड़क, गार्ड रूम, वॉच टावर के प्रारंभिक काम की लागत 176 करोड़; मौजूदा संस्थानों से ज़रूरतें); क्या नहीं निकलता (176 करोड़ आवंटन या कुल लागत नहीं; समिति मंज़ूरी नहीं; DPR की स्थिति और देरी पर उत्तर मौन); आवश्यक अतिरिक्त सूचना (वर्ष-वार निधि, DPR स्थिति, समय-सीमा, देरी का आकलन)

निष्कर्ष में: हर कथन को उसके चरण से जोड़कर पढ़ें, कोई समय-सीमा या अनुपात न जोड़ें

स्रोत और संबंधित लेख

- लोक सभा अतारांकित प्रश्न 2102, छपी तिथि 31 जुलाई 2026 (रक्षा मंत्रालय)

सभी तथ्य इस एक पृष्ठ के उत्तर से हैं। इस लेख के साथ कोई संबंधित-लेख लिंक नहीं दिया गया है।

याद रखें: ₹ 176 करोड़ पूरे हुए प्रारंभिक काम की लागत है, आवंटन या पूरी परियोजना की लागत नहीं। दो-सदस्यीय समिति proposal तैयार करने के लिए है, मंज़ूरी नहीं। DPR, समय-सीमा, देरी, असर और तेज़ी के कदम उत्तर में छपे नहीं हैं। प्रश्न में "Indian National Defence University (INDU), Gurugram" और उत्तर में "Indian Defence University" है।